NEWS CLIPPING: 09.05.2018

DAINIK JAGRAN

लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका अहम

मीडिया की रचनात्मक भूमिका पर नाटक का मंचन करते हुए वाईएमसीए विश्वविद्यालय के मीडिया के विद्यार्थी • जागरण

जासं, फरीदाबाद : वाईएमसीए विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के अंतर्गत विश्व संवाद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी तथा जवाबदेही विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेंद्र बरतरिया मुख्य वक्ता रहे। संगोष्ठी का आयोजन देवऋषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन व मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. तिलक राज ने की। कार्यक्रम का संचालन अमनदीप कौर तथा डॉ.तरूणा नरूला की देखरेख में किया गया। संगोष्ठी में प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेंद्र बरतरिया ने कहा कि लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता, इसलिए पत्रकारों को लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में राष्ट्रहित के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया के नए माध्यमों ने पत्रकारिता की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है। सामाजिक कार्यकर्ता गंगाशंकर मिश्र ने पत्रकारों को राष्ट्रहित के विषयों को संवेदनशीलता से उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। कार्यक्रम के दौरान वाईएमसीए विश्वविद्यालय के मीडिया विद्यार्थियों द्वारा मीडिया की रचनात्मक भूमिका पर नाटक एवं कविता उच्चारण की प्रस्तुति भी दी गई। संगोष्ठी में विश्व संवाद केन्द्र के विभाग प्रमुख सुभाष त्यागी, विभाग कारवाह राकेश त्यागी, संजय अरोड़ा, डॉ.उमेश, सह संयोजक गोपाल आहूजा, सतीश चंद्र शर्मा, त्रिलोक चंद तथा प्रभात मिश्रा भी उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING: 09.05.2018

DAINIK BHASKAR

लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका अहमः ज्ञानेंद्र बरतरिया

फरीदाबाद|वाईएमसीए विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के अंतर्गत विश्व संवाद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में 'मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी व जवाबदेही' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका आयोजन देवऋषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में किया गया। इसमें पत्रकारिता के बदलते परिवेश में पत्रकारों को बहुमुखी प्रतिभा विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों द्वारा मीडिया की रचनात्मक भूमिका पर नाटक एवं कविता उच्चारण की प्रस्तुति भी दी गई।

इसमें प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेन्द्र बरतरिया मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन व मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. तिलक राज ने की। संगोष्ठी में प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेन्द्र बरतरिया ने कहा कि लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। इसलिए पत्रकारों को लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में राष्ट्रहित के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया के नए माध्यमों ने पत्रकारिता की दिशा व दशा बदलने का कार्य किया है। युवा पत्रकारों को मीडिया के परंपरागत माध्यम की बजाय नए माध्यमों के प्रति रुचि दिखाने की आवश्यकता है, क्योंकि रोजगार के अवसर इन्हीं क्षेत्रों में ज्यादा हैं।

HINDUSTAN

वाईएमसी यूनिवर्सिटी में मंगलवार को छात्रों ने मीडिया की रचनात्मक भूमिका पर नाटक का मंचन किया। • हिन्दुस्तान

लोकतंत्र की वास्तविक प्रहरी है मीडियाः ज्ञानेंद्र

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

आयोजन

- मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी तथा जवाबदेही विषय पर संगोष्ठी
- मीडिया के नए माध्यमों के प्रति रुचि दिखाने की जरूरत

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मंगलवार को देवर्षि नारद जयंती पर मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी तथा जवाबदेही विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें मुख्य वक्ता प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेंद्र बरतरिया थे।

इस मौके पर प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेन्द्र बरतरिया ने पत्रकारिता के बदलते परिवेश के विषय में जानकारी दी। कहा कि लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। इसलिए पत्रकारों को लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में राष्ट्रहित के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाना चाहिए। मीडिया के नए माध्यमों ने पत्रकारिता की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है। युवा पत्रकारों को मीडिया के परंपरागत माध्यमों की जगह नए माध्यमों के प्रति रुचि दिखाने की जरूरत है।

वहीं, सामाजिक कार्यकर्ता गंगाशंकर मिश्र ने कहा कि पत्रकारों को राष्ट्रहित के विषयों को संवेदनशीलता से उठाने चाहिए। देश की बौद्धिक संपदा के संरक्षण की दिशा में भारत सरकार की ओर से महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

NEWS CLIPPING: 09.05.2018

AMAR UJALA

लोकतंत्र प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका अहमः ज्ञानेंद्र बरतरिया

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के अंतर्गत विश्व संवाद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में 'मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी और जवाबदेही' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेंद्र बरतरिया मुख्य वक्ता रहे। संगोष्ठी का आयोजन देवऋषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. तिलक राज ने की।

संगोष्ठी में अपने मुख्य संबोधन में प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेंद्र बरतरिया ने पत्रकारिता के बदलते परिवेश में पत्रकारों को बहुमुखी प्रतिभा विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। इसलिए पत्रकारों को लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में राष्ट्रहित के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया के नये माध्यमों ने पत्रकारिता की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है। युवा पत्रकारों को मीडिया के परंपरागत माध्यमों की बजाए नये माध्यमों के प्रति रूचि दिखाने की आवश्यकता है। मेहनत का कोई छोटा रास्ता नहीं है। पत्रकारिता में आने वाले युवाओं को संघर्ष के लिए तैयार रहने की भावना को विकसित करें।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता गंगाशंकर मिश्र ने कहा कि देश की बौद्धिक संपदा के संरक्षण की दिशा में भारत सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अब अभिनव शोध विचारों को भी पेटेंट करवाया जा सकता है।

मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार ने कहा कि संगोष्ठी का विषय मीडिया के मौजूदा परिवेश में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय है। मीडिया के विद्यार्थियों के साथ पत्रकारों के लिए भी मीडिया के सामाजिक सरोकार तथा उत्तरदायित्वों के प्रति गहनता से विचार करने की आवश्यकता है।

NEWS CLIPPING: 09.05.2018

PUNJAB KESARI

लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका अहम: ज्ञानेन्द्र बरतरिया

फरीदाबाद, 8 मई (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के अंतर्गत विश्व संवाद केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में 'मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी तथा जवाबदेही' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेन्द्र बरतरिया मुख्य वक्ता रहे।

संगोष्ठी का आयोजन देवऋषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था, जिन्हें प्रासंगिक जानकारी के प्रसार तथा सकारात्मक पत्रकारिता के रूप में जाना जाता है। इस अवसर पर संगोष्ठी में हिस्सा लेने वाले सभी पत्रकारों को प्रमाण पत्र एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन व मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. तिलक राज ने की।

इस अवसर पर मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तरूणा नरूला तथा अमनदीप कौर की देखरेख में किया गया। संगोष्ठी में अपने मुख्य संबोधन में प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेन्द्र बरतरिया ने पत्रकारिता के बदलते परिवेश में पत्रकारों को बहुमुखी प्रतिभा विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता, इसलिए पत्रकारों को लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में राष्ट्रहित के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाना चाहिए।

वाईएमसीए में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए अतिथि।

उन्होंने कहा कि मीडिया के नये माध्यमों ने पत्रकारिता की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है। युवा पत्रकारों को मीडिया के परम्परागत माध्यमों की बजाये नये माध्यमों के प्रति रूचि दिखाने की आवश्यकता है, क्योंकि रोजगार के अवसर इन्हीं क्षेत्रों में ज्यादा है। उन्होंने कहा कि मेहनत का कोई छोटा रास्ता नहीं है, इसलिए पत्रकारिता में आने वाले युवाओं को दृढ़ इच्छाशक्ति तथा संघर्ष के लिए तैयार रहने की भावना को विकसित करने की आवश्यकता है। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता गंगाशंकर मिश्र ने कहा कि पत्रकारों को राष्ट्रहित के विषयों को संवेदनशीलता से उठाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि देश की बौद्धिक संपदा के संरक्षण की दिशा में भारत सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाये गये है। अब अभिनव शोध विचारों को भी पेटेंट करवाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की राष्ट्रीय हित में बौद्धिक संपदा को संरक्षित बनाये रखने में अपनी रचनात्मक भूमिका निभा सकते है। इससे पूर्व, संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने कहा कि संगोष्ठी का विषय मीडिया के मौजूदा परिवेश में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय है और मीडिया के विद्यार्थियों के साथ-साथ पत्रकारों के लिए भी मीडिया के सामाजिक सरोकार तथा उत्तदायित्वों के प्रति गहनता से विचार करने की आवश्यकता है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 09 May 2018
epaper.punjabkesari.in/c/28523096

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)

Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 09.05.2018

PUNJAB KESARI (DELHI)

लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता : ज्ञानेन्द्र बरतरिया

फरीदाबाद, राकेश देव ब्यूरो चीफ (पंजाब केसरी): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के अंतर्गत विश्व संवाद केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी तथा जवाबदेही विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेन्द्र बरतरिया मुख्य वक्ता रहे। संगोष्ठी का आयोजन देवऋषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था, जिन्हें प्रासंगिक जानकारी के प्रसार तथा सकारात्मक पत्रकारिता के रूप में जाना जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन व मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो तिलक राज ने की। इस अवसर पर मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो राज कुमार भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अमनदीप कौर तथा डा तरूणा नरूला की देखरेख में किया गया। संगोष्ठी

दीप प्रज्वलित कर संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए वाईएमसीए विश्वविद्यालय व विश्व संवाद केन्द्र के पदाधिकारी।(छाया:राकेश देव)

में अपने मुख्य संबोधन में प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेन्द्र बरतरिया ने पत्रकारिता के बदलते परिवेश में पत्रकारों को बहुमुखी प्रतिभा विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता इसलिए पत्रकारों को लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में राष्ट्रहित के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया के नये माध्यमों ने पत्रकारिता की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है। युवा पत्रकारों को मीडिया के परम्परागत माध्यमों की बजाये नये माध्यमों के प्रति रूचि दिखाने की आवश्यकता है, क्योंकि रोजगार के अवसर इन्हीं क्षेत्रों में ज्यादा है। उन्होंने कहा कि मेहनत का कोई छोटा रास्ता नहीं है, इसलिए पत्रकारिता में आने वाले युवाओं को दृढ़ इच्छाशक्ति तथा संघर्ष के लिए तैयार रहने की भावना को विकसित करने की आवश्यकता है। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता गंगाशंकर मिश्र ने कहा कि पत्रकारों को राष्ट्रहित के विषयों को संवेदनशीलता से उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश की बौद्धिक संपदा के संरक्षण की दिशा में भारत सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाये गये है। अब अभिनव शोध विचारों को भी पेटेंट करवाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की राष्ट्रीय हित में बौद्धिक संपदा को संरक्षित बनाये रखने में अपनी रचनात्मक भूमिका निभा सकते है। संगोष्ठी में विश्व संवाद केन्द्र के विभाग प्रमुख सुभाष त्यागी, विभाग कारवा श्री राकेश त्यागी, संजय अरोड़ा, डॉ उमेश, सह संयोजक गोपाल आहूजा, सतीश चन्द्र शर्मा, त्रिलोक चंद तथा प्रभात मिश्रा भी उपस्थित थे।

NAVBHARAT TIMES

संगोष्ठी हुई

■ **प्रस, फरीदाबाद** : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार कोर्स के अंतर्गत विश्व संवाद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में 'मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी और जवाबदेही' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेंद्र बरतरिया मुख्य वक्ता रहे। संगोष्ठी का आयोजन देवऋषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था।

NEWS CLIPPING: 09.05.2018

PRATINIDHI

लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका अहम: ज्ञानेन्द्र बरतरिया

प्रतिनिधि टुडे

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के अंतर्गत विश्व संवाद केन्द्र के संयुक्त

तत्वावधान में 'मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी तथा जवाबदेही' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेन्द्र बरतरिया मुख्य वक्ता रहे। संगोष्ठी का आयोजन देवऋषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था, जिन्हें प्रासंगिक जानकारी के प्रसार तथा सकारात्मक पत्रकारिता के रूप में जाना जाता है।

इस अवसर पर संगोष्ठी में हिस्सा लेने वाले सभी पत्रकारों को प्रमाण पत्र एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन व मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. तिलक राज ने की। इस अवसर पर मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तरूणा नरूला तथा अमनदीप कौर की देखरेख में किया गया।

संगोष्ठी में अपने मुख्य संबोधन में प्रसार भारती में सलाहकार ज्ञानेन्द्र बरतरिया ने पत्रकारिता के बदलते परिवेश में पत्रकारों को बहुमुखी प्रतिभा विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता, इसलिए पत्रकारों को लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में राष्ट्रहित के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया के नये माध्यमों ने पत्रकारिता की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है। युवा पत्रकारों को मीडिया के परम्परागत माध्यमों की बजाये नये माध्यमों के प्रति रूचि दिखाने की आवश्यकता है, क्योंकि रोजगार के अवसर इन्हीं क्षेत्रों में ज्यादा है। उन्होंने कहा कि मेहनत का कोई छोटा रास्ता नहीं है, इसलिए पत्रकारिता में आने वाले युवाओं को दृढ़ इच्छाशक्ति तथा संघर्ष के लिए तैयार रहने की भावना

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में प्रतिनिधि टुडे समाचार पत्र के चीफ एडीटर कमलेश शास्त्री को प्रमाण पत्र एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया गया।

को विकसित करने की आवश्यकता है। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता गंगाशंकर मिश्र ने कहा कि पत्रकारों को राष्ट्रहित के विषयों को संवेदनशीलता से उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश की बौद्धिक संपदा के संरक्षण की दिशा में भारत सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाये गये है। अब अभिनव शोध विचारों को भी पेटेंट करवाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की राष्ट्रीय हित में बौद्धिक संपदा को संरक्षित बनाये रखने में अपनी रचनात्मक भूमिका निभा सकते है।